गुड़ थोक में भी चीनी से महंगा

दिवाली बाद सप्लाई बढ़ने से मूल्य में गिरावट आने के आसार

बिजनेस भास्कर • नई दिल्ली

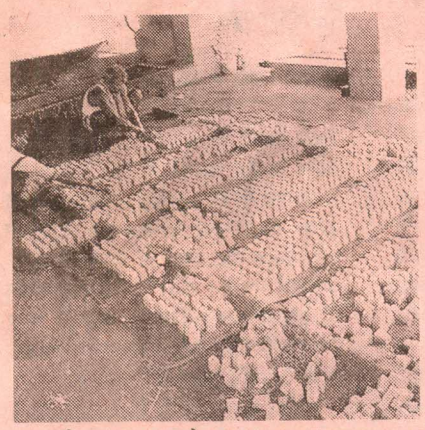

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अभी तक केवल 50 फीसदी कोल्हू ही चालू हुए हैं जबकि गुड़ की त्योहारी मांग अच्छी बनी हुई है। इसलिए गुड़ चीनी से भी महंगा बिक रहा है। हालांकि अक्टूबर से शुरू हुए नए पेराई सीजन में चीनी मिलों के चलने में देरी होने की आशंका है इसलिए कोल्हू संचालकों को ज्यादा गन्ना मिलेगा। ऐसे में दीपावली बाद गुड़ की कीमतों में गिरावट आने की संभावना है।

फेडरेशन ऑफ गुड़ ट्रेडर्स के अध्यक्ष अरुण खंडेलवाल ने बताया कि अभी तक केवल 50 फीसदी कोल्हू ही चल पाए हैं जबकि गुड़ में त्योहारी मांग अच्छी बनी हुई है। इसीलिए गुड़ के दाम तेज बने हुए है। दिल्ली बाजार में गुड़ चाकू के भाव 3,200 से 3,250 रुपये और पेड़ी का भाव 3,500 से 3,600 रुपये प्रति क्विंटल चल रहे है जबकि चीनी की बिक्री 3,150 से 3,200 रुपये प्रति क्विंटल की दर से हो रही है। उन्होंने बताया कि मुजफ्फरनगर मंडी में इस समय केवल 3,000 से 3,500 मन (एक मन-40 किलो) गुड़ की आवक ही हो रही है जबकि पुराना स्टॉक भी केवल एक लाख कट्टों (एक कट्टा-40 किलो) का ही बचा हुआ है। दीपावली बाद नए गुड़ की आवक बढ़ जायेगी, जिससे मौजूदा कीमतों में गिरावट आने की संभावना है।

गुड़ के थोक कारोबारी हरिशंकर मुंदड़ा ने बताया कि चीनी का नया पेराई सीजन शुरू हो चुका है तथा चीनी के दाम लागत से भी नीचे चल रहे हैं जबकि चुनावी वर्ष होने की वजह से राज्य सरकार गन्ने के राज्य समर्थित मूल्य (एसएपी) में भी बढ़ोतरी करेगी। इसको लेकर चीनी मिलों में पेराई देर से शुरू होने की आशंका है। ऐसे में कोल्हू संचालकों को ज्यादा गन्ना मिलेगा। इस समय कोल्हू संचालक किसानों से 160 से 225 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गन्ने की खरीद कर रहे हैं।

एनसीडीईएक्स पर नवंबर महीने के वायदा अनुबंध में गुड़ की कीमतों में पिछले दस दिनों में 3.5 फीसदी की गिरावट आई है। नवंबर महीने के वायदा अनुबंध में आठ अक्टूबर को गुड़ का भाव 1,140 रुपये प्रति 40 किलो था जबकि शनिवार को इसका भाव घटकर 1,101 रुपये प्रति 40 किलो रह गया। मैसर्स देशराज राजेंद्र कुमार के प्रबंधक देशराज ने बताया कि मुजफ्फरनगर मंडी में खुरपापाड़ गुड़ का भाव 1,200 से 1,250 रुपये और लड्डू गुड़ का भाव 1,300 से 1,325 रुपये प्रति 40 किलो चल रहा है। कृषि मंत्रालय के अनुसार चालू खरीफ में उत्तर प्रदेश में गन्ने की बुवाई बढ़कर 25.17 लाख हैक्टेयर में हुई है जबकि पिछले साल की समान अवधि में 22.77 लाख हैक्टेयर में गन्ने की बुवाई हुई थी।

Business Bhaskar

21/10/13